हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2026-27)

कक्षा- 10+1 **विषय: ललित कला** **कोड:770**

सामान्य निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी I
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक परीक्षा के लिए :-
   I. पोर्टफोलियो – 20 अंक
   II. पोस्टर / ले आउट/लैंडस्केप - 30 अंक
4. आंतरिक मुल्यांकन के लिए :
   निम्नानुसार आवधिक मुल्यांकन होगा : -
   I. 6 अंकों के लिए – तीन SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अतिम मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
   II. 2 अंकों के लिए – एक अर्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   III. 2 अंकों के लिए – विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) लिए मूल्यांकन करेंगें और अधिकतम 02 अंक देंगें।
   IV. 5 अंकों के लिए – छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
   V. 5 अंकों के लिए – विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएँगे : -

75% से 80% तक – 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक – 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक – 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक – 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक – 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2026-27)

कक्षा- 10+1 विषय:ललित कला कोड:770

इकाई संख्या	अध्याय/इकाई	अंक
1	इकाई–1 1. कला – एक परिचय 2. कला तथा साहित्य 3. भारत में ललित कला के विभिन्न रुपों का उद्‌गम और विकास प्रागैतिहासिक शिला चित्र तथा सिन्धु घाटी की कला (2500 ई0पू0 से 1500 ई0पू0) 4. प्रागैतिहासिक शिला चित्र 5. सिन्धु घाटी की कला	10
2	इकाई–2 बौध, जैन तथा हिन्दु कला (तीसरी शताब्दी ई0पू0 से आठवी शताब्दी ई0) 6. मौर्य, शुंग, कुशाण और गुप्त वंश के दौरान की कला 7. अजन्ता की गुफाओं की कला	10
3	इकाई–3 मन्दिर कास्य मूर्ति तथा भारतीय ईस्लामिक वास्तुकला के कलात्मक पहलू (छठी शताब्दी ई0 से तेरहवी शताब्दी ई0) 8. भारतीय मन्दिर मूर्तियों के कलात्मक पहलू 9. भारतीय कास्य मूर्तियॉं 10. भारतीय इस्लामिक वास्तुकला का समान कलात्मक पहलू	10
कुल योग		**30**
प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक)		**50**
आन्तरिक मुल्यांकन		**20**
कुल योग		**100**

विषय–सूची

इकाई–1

परिचय :–

1. कला – एक परिचय
2. कला तथा साहित्य
3. भारत में ललित कला के विभिन्न रुपों का उद्‌गम और विकास

प्रागैतिहासिक शिला चित्र तथा सिन्धु घाटी की कला
(2500 ई0पू0 से 1500 ई0पू0)

4. प्रागैतिहासिक शिला चित्र
5. सिन्धु घाटी की कला

इकाई–2

बौध, जैन तथा हिन्दु कला
(तीसरी शताब्दी ई0पू0 से आठवी शताब्दी ई0)

6. मौर्य, शुंग, कुशाण और गुप्त वंश के दौरान कला
7. अजन्ता की गुफाओं की कला

इकाई–3

मन्दिर कास्य मूर्ति तथा भारतीय ईस्लामिक वास्तुकला के कलात्मक पहलू
(छठी शताब्दी ई0 से तेरहवी शताब्दी ई0)

8. भारतीय मन्दिर मूर्तियों के कलात्मक पहलू
9. भारतीय कास्य मूर्तियॉ
10. भारतीय इस्लामिक वास्तुकला का समान कलात्मक पहलू

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2026-27)

कक्षा- 11वीं विषय: ललित कला कोड: 770

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	1. कला परिचय और कला की प्रशंसा क) कला क्या है? ख) कला के तत्व क्या है? ग) मानव जीवन में कला क्यों अनिवार्य हैं? 2 कला और साहित्य 3. भारत में ललित कला के विभिन्न रुपों का उद्गम तथा विकास 1 क) प्रागैतिहासिक शिला चित्र 1. अवधि तथा स्थान 2. नीचे दिये गये प्रागैतिहासिक चित्रकारी का अध्ययन तथा प्रशंसा क) जादूगरों का नृत्य ख) भीमवेटका 1 प्रयोगात्मक कार्य पैन्सिल में एक निश्चित बिन्दु से प्रकाश व छाया के साथ दो अथवा तीन प्राकृतिक और ज्यामितीय रुपों की प्रकृति और विशय वस्तु का अध्ययन। प्राकृतिक रुप जैसें पौधे, सब्जियॉ, फल तथा फूल की प्रकृति तथा विशय वस्तु का अध्ययन। वस्तु के ज्यामितीय रुपों जैसें धनक्षेत्र, शंकु, प्रिज्म, सिलेंडर, और गोले की प्रकृति तथा विशय वस्तु का अध्ययन	10	2	18

मई	1 ख) सिंधु घाटी की कला (2500ई0पू0 से 1500ई0पू0) क. स्थान की अवधि ख. लगभग 1500 मील में विस्तार 1. हड़प्पा व मोहन जोदाडो (आजकल पाकिस्तान में) 2. रोपड़, लोथल, रणपुर, आलमगीरपुर, कालीबंगा, बनावली तथा धोलावीरा (भारत में) 3. मूर्ति तथा टेराकोटा का अध्ययन क. नृत्य करती हुई लडकी (मोहनजोदारो कांस्य 10.5x5X2.5 से0मी0 लगभग 2500ई0पू0 (राश्ट्रीय संग्राहलय, नई दिल्ली) ख. पुरुष धड (हड़प्पा) लाल चूना पत्थर 9.2x5.8X3 से0मी0 लगभग 2500ई0पू0 (राश्ट्रीय संग्राहलय नई दिल्ली) ग. माँ देवी (मोहनजोदाडो) टेराकोटा 22x8X5 से0मी0 लगभग 2500ई0पू0 घ. सांड (मोहनजोदारो) सेलखडी का पत्थर 2.5x 2-5X1.4 से0मी0 लगभग 2500ई0पू0 ड) मिट्टी की दीवार, मिट्टी के घडे पर चित्रकारी और सजावट (मोहनजोदाडो) 4 प्रयोगात्मक कार्य क) ज्योमितीय और सजावटी डिजाईन और रंगो में डिजाईन को संगठित दृश्य, व्यवस्था के रुप में समझने के लिए ज्योमितीय तथा आकृतियों की भिन्नता में बुनियादी डिजाईन का सरल अभ्यास। ख) जीवन और प्रकृति का स्कैचिंग	7	2	20

	से अभ्यास			
जून	ग्रीश्मकालीन अवकाश (उपरोक्त अध्यायों से संबंधित कोई परियोजना कार्य दिया जाए)			
जुलाई	2. क) बौद्ध, जैन तथा हिन्दू कला :– (तीसरी शताब्दी से आठवीं शताब्दी ई0) कला का सामान्य परिचय 2 ख) मौर्य, शुंग, कुशाण , गांधरा और मथूरा शैली गुप्त वंश के दौरान कला का सामान्य परिचय 3 प्रयोगात्मक कार्य किसी दिये गये विशय पर 1/4 इंपीरियल सीट पर कार्ड बोर्ड प्रिंट	10	2	**12**
अगस्त	1. ग) निम्नलिखित मूर्तियों का अध्ययन क) सारनाथ से शेर राजधानी (मौर्यवंश) पॉलिश, बलुआ पत्थर, (तीसरी शताब्दी ई0पू0 सारनाथ संग्राहलय यू0पी0 ख) दीदारगंज से चौरीबियरर (यक्षी) (मौर्यवंश) पॉलिश बलुआ पत्थर (तीसरी शताब्दी ई0पू0 पटना संग्राहलय बिहार ग) तक्षशिला से बोधिसत्व सिर (कुशाण वंश) गांधार शैली का पत्थर 27.5ग20ग15 से0मी0 लगभग दूसरी शताब्दी ई0 राश्ट्रीय संग्राहलय नई दिल्ली 2. प्रयोगात्मक कार्य स्थिर जीवन से आरेखन तथा प्रकृति अध्ययन पैन्सिल मोनोक्रोम रंग	10	2	12
सितंबर	घ) बैठे बुद्ध कटरा जिला मथुरा से कुशाण वंश) मथुरा शैली, लाल, धब्बेदार पत्थर ड़) सारनाथ से बैठे बुद्ध (गुप्त वंश) च) जैन तीर्थंकर (गुप्त वंश) पत्थर लगभग 6वी शताब्दी ई0 राज्य संग्राहलय लखनऊ, यू0पी0	7	2	06

	अर्ध–वार्शिक परीक्षा			
अक्तूबर	2 ग. अजनता का परिचय 1. स्थान अवधि गुफाओं की संख्या चैत्य और विहार चित्रकारी तथा मूर्ति, विशय वस्तु तथा तकनीक 2. निम्नलिखित चित्रां` और मूर्तियों का अध्ययन क. पदमापाणि, बोधिसत्व (अजन्ता गुफा न0 1 महाराश्ट्र भित्तिचित्र ख. मार–विजय (अजन्ता गुफा न.26) पत्थर की मूर्ति लगभग 5वी शताब्दी ई0 6 प्रयोगात्मक कार्य अक्षरांकन और लेआउट पुस्तक आवरण डिजाईन तथा चित्रण, कार्टून, पोस्टर, अखबार तथा मैगजीन के लिए विज्ञापन	9	3	14
नवंबर	3 क. मन्दिरों में कांस्य मूर्ति कला (6वी शताब्दी ई0 से 13वी शताब्दी ई0 निम्नलिखित मन्दिरों की मूर्ति कलां का अध्ययन) 1. गंगा का अवतरण (पल्लव वंश) 7वी शताब्दी की ग्रेनाइट चटट्ान 2. कैलाश पर्वत को हिलाता रावण राश्ट्रकूट वंश एलोरा (महाराश्ट्र 8वीं शताब्दी ई0) 3. त्रिमूर्ति (एलेफेन्टा, महाराश्ट्र) पत्थर लगभग 9वी शताब्दी ई0 7 प्रयोगात्मक कार्य मिट्टी के साथ जीवन और प्रकृति से दिऐ गये विशयों पर राऊंड/रिलिफ में मॉडलिंग	10	2	10
दिसंबर	3. ख. 1. लक्ष्मीनारायण (कंदरिया महोदव मन्दिर) चन्देल वंश 2. खुजराहो एम0 पी0 (लगभग 10वी शताब्दी 3. सूर्य मन्दिर गंगा वंश, कोणार्क, उडीसा 4. मॉ और बच्चा विमल शाह मन्दिर सोलंकी वंश) माऊंट आबू राजस्थान, सफेद पत्थर, लगभग 13वी शताब्दी ई0	7	2	20

	8 प्रयोगात्मक कार्य रिलिफ प्रिटिंग (लोनोकट वुड कट) परिदृश्य तथा प्राकृतिक दृश्य किसी भी माध्यम से			
जनवरी	3 ग. भारतीय कास्य मूर्ति कलां का परिचय 1. ढलाई के तरीके (ठोस व खोखला) 2. निम्नलिखित दक्षिणी भारतीय कास्य का अध्ययन क. नटराज (चोल वंश तंजावुर तमिलनाडु 12वीं शताब्दी ई0 राश्ट्रीय संग्रालय, नई दिल्ली ख. देवी (उमा) चोल वंश 11वी शताब्दी ई0 राश्ट्रीय संग्राहलय नई दिल्ली। 3. घ. भारतीय इस्लामिक वास्तुकलां के कलात्मक पहलू 1. परिचय 2. निम्नलिखित वास्तुकलां का अध्ययन व प्रशंसा क. कुतुब मिनार, दिल्ली ख. गोलगुम्बद (बिजापुर)	7	2	4
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

प्रश्न पत्र प्रारूप(2026-27)

कक्षा- 10+1 **विषय: ललित कला**

कोड:770 समयः 02:30 घण्टे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न 02 रिक्त स्थान 02 एक शब्दीय प्रश्न 02 अभिकथन तर्क सहित	08
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	08
लघुत्तरात्मक प्रश्न	3	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	09
निबंधात्मक प्रश्न	5	01	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	05
कुल		16		30

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2026-27)

Class-10+1 Subject:-Fine Arts Code:770

General Instructions:

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.

2. The Annual Examination will be of 30 marks, Practical Examination will be of 50 marks and 20 marks weightage shall be for Internal Assessment.

3. For Practical Examination:

I. Portfolio – 20 Marks

II. Poster / Layout/Landscape – 30 Marks

4. **For Internal Assessment:**

There will be Periodic Assessment that would include:

i) For 6 marks- Three SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.

ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).

iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2026-27)

Class- 10+1 Subject:-Fine Arts Code: 770

Unit No.	Unit	Marks
1	ART INTRODUCTION, ART AND CULTURE, ORIGIN AND DEVELOPMENT OF DIFFERENT FORM OF FINE ARTS IN INDIA, TYPE OF COLOURS, PRE-HISTORIC ROCK PAINTING AND ART OF INDIA VALLEY (2500-1500) PRE-HISTORIC ROCK PAINTING, ARTS OF INDUS VALLEY.	10
2	BUDDHIST, JAIN AND HINDU ART (3RD CONT. B.C TO 8TH CENTURY AD) THE ART DURING MAURYA, SHUNGA, KUSHAN AND GUPTA PERIODS THE ART OF AJANTA CAVE	10
3	TEMPLE, SCULPTURES AND ARTISTIC ASPECTS OF INDO - ISLAMIC ARCHITECTURE (6TH CENT. AD TO 12 CENT. AD) ARTISTIC ASPECTS OF INDIAN TEMPLE, SCULPTURES INDIAN BRONZE SCULPTURES. ARTISTIC ASPECTS OF INDO-ISLAMIC, ARCHITECTURE. BIBLIOGRAPHY.	10
Total		**30**
Practical Examination (Internal)		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

Unit-I

Introduction :-

1. Art – An Introduction
2. Art and Culture
3. Origin and Development of Different forms of fine Arts in India.

Prehistoric Rock Painting and Art of Indus valley

(2500 B.C to 1500 B.C)

4. Prehistoric Rock Painting
5. Art of Indus Valley

Unit – II

Buddhist, Jain and Hindu Art

(3rd Century B.C to 8th Century A.D)

6. The Art during Mauryan, Shunga, Kushana and Gupta Periods
7. The Art of Ajanta Caves

Unit-III

Temple sculptures, Bronzes and Artistic Aspects of Indo-Islamic Architecture

(6th Century A.D to 13th Century A.D)

8. Artistic Aspects of Indian Temple Sculptures
9. Indian Bronze Sculptures
10. Same Artistic Aspects of Indo-Islamic Architecture

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2026-27)

Class- 10+1 **Subject:-Fine Arts** **Code: 770**

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	1. Art Introduction and Art Appreciation i) What is Art ? ii) What are the elements of Art? iii) Why art is necessary in Human Life? 2. Art and Culture 3. Origin and Development of different forms of fine Arts in India. 1 (a) Prehistoric Rock Painting 1. Period and Location 2. Study and appreciation of following Pre-historic Painting i) Wizard's Dance Bhimbethaka Practical Work 1. Nature and Object Study of two or three natural and geometrical forms in pencil with light and shade from fixed point of view. Natural forms like	10	2	18

	plants, vegetables , fruits and flowers Geometrical forms of object like cubes, cones, prism, cylinders and spheres.			
May	1 (B) Art of Indus Valley (2500 B.C. to 1500 B.C.) i) Period of Location ii) Extension in about 1500 miles a) Harappa & Mohenjo Daro (Now in Pakistan) b) Ropar, Lothal, Ranqpur, Alamquirpur , Kali Bangan, Banawali and Dhaulaveera (in India). 2. Study of Sculpture and Terracotta's (i) Dancing Girl (Mohenjo-Daro Bronze 10.5x5x2.5cm Circa 2500 B.C. (National Museum, New Delhi) (ii) Male Torso (Harappa) Red Lime Stone 9.2 x 5.8 x 3 cm. Circa 2500 BC (National Museum, New Delhi) (iii) Mother Goddess (Mohenjodaro) Terracotta 22x8x5 cm Circa 2500 BC (iv) Bull (Mohenjodaro) Steatite stone 2.5x2.5 x 1.4	7	2	20

	cm Circa 2500 BC (v) Painting and Decoration on earthen walls , earthen jars (Mohenjodaro) **2. Practical Work** i) Simple exercise of basic design in variation of geometric and rhythmic shapes in geometrical and decorative designs and colours to understand designs as organized visual arrangement ii) sketches from life and nature			
June	Summer Vacation (Any project work should be given related to above chapters)			
July	2 (a) Buddhist Jain and Hindu Arts : (3rd Century to 8th century A.D.) General Introduction to Art 2 (b) General Introduction to Art during Mauryan, Shunga, Kushana, Gandhra and Mathura Style Gupta Period) **3- Practical Work** Card Board Print on ¼	10	2	12

	imperial sheet on a given subject			
August	2 (c) Study of following sculptures (i) Lion Capital from Sarnath (Mauryan Period) Polished sand stone. (3rd century BC) Sarnath Museum U.P.) (ii) Chauri Dearer from Didar Ganj (Yakshi) (Mauryan Period) Polished sand stone (3rd century BC Patna Museum Bihar) (iii) Bodhisattava Head from Taxila (Kushan Period) Gindhara style stone 27.5 x 20 x 15cm Circa 2nd century A.D. National Museum New Delhi **4- Practical Work** Drawing from still life and nature medium pencil monochrome colour	10	2	12
September	(iv) Seated Budha from Katra Jila Mathura (Kushan Period) Mathura Style , Red, Spotted sandstone. (v) Seated Budha from Sarnath (Gupta Period) (vi) Jain Tirthankara (Gupta period) Stone Circa 6th	7	2	06

	Century A.D.) State Museum Luckhnow U.P. **Half Yearly Exam**			
October	2 (c) Introduction of Ajanta (i) Location Period No. of Caves. Chaitya and Vihara Paintings and sculptures , subject matter and technique. (ii) Study the following paintings and sculptures a) Padmapani , Bodhisattva (Ajanta Cave No.1 Maharastra Mural Painting) b) Mara Vijay (Ajanta Cave No.26) Sculpture in stone (Circa 5th Century A.D.) **6 – Practical Work** Lettering and Layout Book Cover design and illustration , cartoon , Poster, advertisements for newspaper and magazine.	9	3	14
November	3 (a) Temples sculpture Bronze (6th century A.D. to 13th Century A.D.	10	2	10

	Introduction to temple sculpture study of following Temple sculptures i) Descent of Ganga (Pallave Period) Grantie Rock of 7th Century. ii) Ravana Shaking Mount Kailash Rashtrakuta Period Ellora (Maharashtra 8th century A.D. iii) Trimurti (Elephanta, Maharashtra) Stone circa 9th Century A.D. **7- Practical Work** Modelling in round/relief with clay.			
December	3 (b) i) Laxmi Narayana (Kandariya Mahadev Temple) Chandela Period) ii) Khajuraho M.P. (Circa 10th Century) iii) Sun Temple Ganga Dynasty, Konarak Orissa iv) Mother and Child Vimal Shah Temple Solanki Dynesty) Mount Abu Rajasthan White Marble Circa 13th Centaury A.D. **8- Practical Work** Relief Printing (Lino Cut	7	2	20

	Wood Cut) Landscape/Composition with any medium			
January	**3 (c) Introduction to India Bronze** i) Method of Casting (Solid and Hollow) ii) Study of following South Indian Bronzes a) Natraj (Chola Period Thanjavur Tamilnadu) 12th century A.D. National Museum, New Delhi. b) Devi (Uma) Chola Period 11th century A.D. National Museum New Delhi **3 (d) Artistic Aspects of the Indo- Islamic architecture.** i) Introduction ii) Study and appreciation of following architecture. a) Qutub Minar, Delhi b) Gol Gumbad of Bijapur .	7	2	4
February	**Revision**	-	-	-
March	Annual Examination	-	-	-

Question Paper Design(2026-27)

Class- 10+1 **Subject:-Fine Arts**

Code: 770 **Time : 02:30 hrs**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Multiple Choice Question (MCQ)	1	8	02 Multiple Choice Questions 02 Fill in Blanks 02 One Word Questions 02 Assertion-Reason Based Questions	08
Very Short Answer Type Question(SA)	2	4	Internal choice will be given in every question	08
Short Answer Type Question(SA)	3	3	Internal choice will be given in every question	09
Essay type Question	5	1	Internal choice will be given in every question	05
Total Question	**-**	**16**	**Total Marks**	**30**